कहानी का परिचय

- अतीतता का भाव।
- ‘कोई न रहा, जग रही कहानी’ – पद्‌मावत।
- कहानी : पुरानी और नयी– ‘क्या हुआ?’ बनाम ‘क्यों हुआ?’।
- कहानी का रोचक होना आवश्यक है।
- आधुनिक कहानी संक्षिप्त होती है।
- कहानी एक सूत्र में गूंथी होती है।
- विश्वसनीयता ही कहानी का सत्य है।

कहानी के तत्व

- कथानक– विविध घटनाओं, कार्य व्यापारों आदि की योजना।

  'कार्य व्यापार की एकता'– अरस्तू। कथानक की अनिवार्य विशेषता संघर्ष की स्थापना है। कथानक की स्थिति पाठ में या पाठक में।
- पात्र– 'नाटक कार्यरत मनुष्यों का अनुकरण है।' – अरस्तू।

  पात्रों के क्रियाक्लाप से ही कथानक बनता है। पात्र– 'व्यक्ति या इण्डिविजुअल' बनाम 'टाइप या वर्ग प्रतिनिधि।'
- वातावरण– कार्य व्यापार के पीछे उपस्थित स्थान और समय।
- केन्द्रीय तत्व या थीम– थीम एक, कहानियां अनेक। हर कहानी एक अद्वितीय अनुभव होती है।

कहानी के उपकरण

- नाटकीय रूप बनाम कथात्मक रूप– दिखाने और बताने में फर्क है।
- जो हो रहा है, वह नाटक है। जो हो चुका, वह कहानी है।
- कहानी में दृष्टि बिन्दु–
  - 1. कथावाचक द्वारा अन्य पुरूष या तटस्थ द्रष्टा के रूप में कही गई वर्णात्मक शैली।
  - 2. उत्तम पुरूष में कही गई आत्मकथात्मक विधि, उदा0– 'नशा' कहानी।
  - 3. संवादों के माध्यम से कही गई नाटकीय विधि।
- कहानी में लेखकीय टिप्पणियों का औचित्य?– 'सवासेर गेहूं'।
- कहानियों मे रूपक और प्रतीक।

कहानी के अवयव

- एक या अनेक?
- कहानी एक अखण्ड, अद्वितीय और ठोस कलात्मक अनुभूति है।
- 'घटना क्या है? चरित्र का उद्‌घाटन। चरित्र क्या है? महज घटना का निर्धारण ही तो।' – हेनरी जेम्स।
- वातावरण अनुभव बनाता है। जंगल का शेर भयानक, चिड़ियाघर का मनोरंजक।
- शैली अनुभव के रूपग्रहण का तरीका है।
- थीम केन्द्रीय भाव है, जबकि अनुभव की विविधता कहानी की समृद्धि।

पढ़ते समय किन प्रश्नों पर ध्यान दें?

- कहानी की थीम क्या है?
- कहानी का केन्द्रीय पात्र कौन है? एक से अधिक हैं तो सामंजस्य किस प्रकार बनाया गया है?
- केन्द्रीय पात्र की मुख्य चारित्रिक विशेषतायें क्या हैं?
- पाठक से केन्द्रीय पात्र के प्रति कैसी प्रतिक्रिया की आशा है?– प्रेम, सहायता, आदर, घृणा, प्रशंसा, उदानसीनता, मनोरंजन आदि।
- कहानी का मुख्य संघर्ष किन शक्तियों के द्वन्द्ध से बनता है?
- इस संघर्ष का शमन कैसे होता है? नहीं होता तो क्यों?
- वातावरण का क्या महत्व है?
- कहानी के अन्त का क्या महत्व है?
- कहानी किस दृष्टि बिन्दु से कही गई है?
- पूरी कहानी क्या ध्वनित करती है?

कहानी का परिचय

- अतीतता का भाव।
- ‘कोई न रहा, जग रही कहानी’ – पद्मावत।
- कहानी : पुरानी और नयी– ‘क्या हुआ?’ बनाम ‘क्यों हुआ?’।
- कहानी का रोचक होना आवश्यक है।
- आधुनिक कहानी संक्षिप्त होती है।
- कहानी एक सूत्र में गूंथी होती है।
- विश्वसनीयता ही कहानी का सत्य है।

कहानी के तत्व

- कथानक– विविध घटनाओं, कार्य व्यापारों आदि की योजना।

  'कार्य व्यापार की एकता'– अरस्तू। कथानक की अनिवार्य विशेषता संघर्ष की स्थापना है। कथानक की स्थिति पाठ में या पाठक में।
- पात्र– 'नाटक कार्यरत मनुष्यों का अनुकरण है।' – अरस्तू।

  पात्रों के क्रियाक्लाप से ही कथानक बनता है। पात्र– 'व्यक्ति या इण्डिविजुअल' बनाम 'टाइप या वर्ग प्रतिनिधि।'
- वातावरण– कार्य व्यापार के पीछे उपस्थित स्थान और समय।
- केन्द्रीय तत्व या थीम– थीम एक, कहानियां अनेक। हर कहानी एक अद्वितीय अनुभव होती है।

कहानी के उपकरण

- नाटकीय रूप बनाम कथात्मक रूप– दिखाने और बताने में फर्क है।
- जो हो रहा है, वह नाटक है। जो हो चुका, वह कहानी है।
- कहानी में दृष्टि बिन्दु–

➢ 1. कथावाचक द्वारा अन्य पुरूष या तटस्थ द्रष्टा के रूप में कही गई वर्णात्मक शैली।

➢ 2. उत्तम पुरूष में कही गई आत्मकथात्मक विधि, उदा0– 'नशा' कहानी।

➢ 3. संवादों के माध्यम से कही गई नाटकीय विधि।

- कहानी में लेखकीय टिप्पणियों का औचित्य?– 'सवासेर गेहूं'।
- कहानियों मे रूपक और प्रतीक।

कहानी के अवयव

- एक या अनेक?
- कहानी एक अखण्ड, अद्वितीय और ठोस कलात्मक अनुभूति है।
- 'घटना क्या है? चरित्र का उद्‌घाटन। चरित्र क्या है? महज घटना का निर्धारण ही तो।' – हेनरी जेम्स।
- वातावरण अनुभव बनाता है। जंगल का शेर भयानक, चिड़ियाघर का मनोरंजक।
- शैली अनुभव के रूपग्रहण का तरीका है।
- थीम केन्द्रीय भाव है, जबकि अनुभव की विविधता कहानी की समृद्धि।

पढ़ते समय किन प्रश्नों पर ध्यान दें?

- कहानी की थीम क्या है?
- कहानी का केन्द्रीय पात्र कौन है? एक से अधिक हैं तो सामंजस्य किस प्रकार बनाया गया है?
- केन्द्रीय पात्र की मुख्य चारित्रिक विशेषतायें क्या हैं?
- पाठक से केन्द्रीय पात्र के प्रति कैसी प्रतिक्रिया की आशा है?– प्रेम, सहायता, आदर, घृणा, प्रशंसा, उदानसीनता, मनोरंजन आदि।
- कहानी का मुख्य संघर्ष किन शक्तियों के द्वन्द्व से बनता है?
- इस संघर्ष का शमन कैसे होता है? नहीं होता तो क्यों?
- वातावरण का क्या महत्व है?
- कहानी के अन्त का क्या महत्व है?
- कहानी किस दृष्टि बिन्दु से कही गई है?
- पूरी कहानी क्या ध्वनित करती है?